नवयुग संदेश

December 28, 2022; Navyugsandesh; Chennai

आईआईटी-मद्रास के प्रोफेसर ने 'विनफ्यूचर' पुरस्कार जीता

चेन्नई, (एजेंसी/वार्ता): इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी-मद्रास (आईआईटी-मद्रास) रसायन विज्ञान विभाग के प्रोफेसर थलप्पिल प्रदीप को 'विनफ्यूचर प्राइज' से सम्मानित

किया गया है। यह पुरस्कार सालाना चार श्रेणियों में दिया जाता है। आईआईटी-मद्रास की एक विज्ञप्ति में बुधवार को यह जानकारी दी गयी।

विज्ञप्ति में बताया गया कि 71देशों से करीब एक हजार व्यक्तियों को चयनित किया गया था। इनमें से आईआईटी-मद्रास के प्रो. प्रदीप को चयनित किया गया था उन्ह़ोंने स्वच्छ पानी का उत्पादन करने के लिए सस्ती और टिकाऊ नैनो सामग्री की खोज की है। इस नयी खोज के लिए प्रो. प्रदीप को हाल ही में वियतनाम मके हनोई में आयोजित पुरस्कार समारोह में 'विनफ्यूचर प्राइज' से सम्मानित किया गया है।

पुरस्कार प्राप्त करने के बाद, प्रो. प्रदीप ने कहा,"मैं उन सभी व्यक्तियों को श्रेय देना चाहता हूं, जिन्होंने इस काम को पूरा करने में मदद की है, जिससे लोग लाभान्वित हुए हैं। मैं अपने देश और संस्थान का शुक्रिया अदा करता हूं जिसने मुझे विश्व स्तर पर लाकर खड़ा किया है।"

उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य है कि प्रत्येक व्यक्ति को साफ पानी मुहैया करा सकें।

गौरतलब है कि प्रो. प्रदीप को पहले भी पद्म श्री, निक्केई एशिया पुरस्कार और पानी के लिए प्रिंस सुल्तान बिन अब्दुलअज़ीज़ अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है और उनकी प्रौद्योगिकियां 1.2 करोड़ से अधिक लोगों को स्वच्छ पानी प्रदान कर रही हैं।

विश्व के सबसे बड़े वार्षिक पुरस्कारों में से एक 'विनफ्यूचर प्राइज' का मूल्य 30 मिलियन डॉलर है। इसमें पांच लाख अमेरिकी डॉलर के तीन विशेष पुरस्कार भी शामिल हैं, जो महिला नवप्रवर्तकों, विकासशील देशों के नवप्रवर्तकों और उभरते क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियों वाले नवप्रवर्तकों को दिए जाते हैं।

प्रो. प्रदीप की यह विधि, सरल डिजाइनों को नियोजित करती है, लाखों प्रभावित परिवारों तक पहुँचने के लिए भूजल को कम लागत पर शुद्ध करने का साधन प्रदान करती है। दूर-दराज के इलाकों में यह तकनीक ज्यादा फायदेमंद है क्योंकि इसमें बिजली की जरूरत नहीं होती।

---

https://www.navyugsandesh.com/iit-madras-professor-wins-winfuture-award/